रूत ने निभाया साथ

रूत अध्याय 1-4

मोआब में रहनेवाली **नाओमी** नाम की एक विधवा अपने देश इसराएल वापस जाने का फैसला करती है। **रूत और ओरपा**, उसकी मोआबी बहुएँ भी उसके साथ इसराएल की ओर निकल पड़ती हैं।

थोड़ी देर सफर करने के बाद, नाओमी रुककर रूत और ओरपा से कहती है।

क्योंकि तुम्हारे पतियों की मौत हो चुकी है, तुम **अपने देश मोआब** लौट जाओ और फिर से अपना घर बसा लो। जाओ मेरी बेटियों, अपने मायके लौट जाओ।

www.jw.org © 2015 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

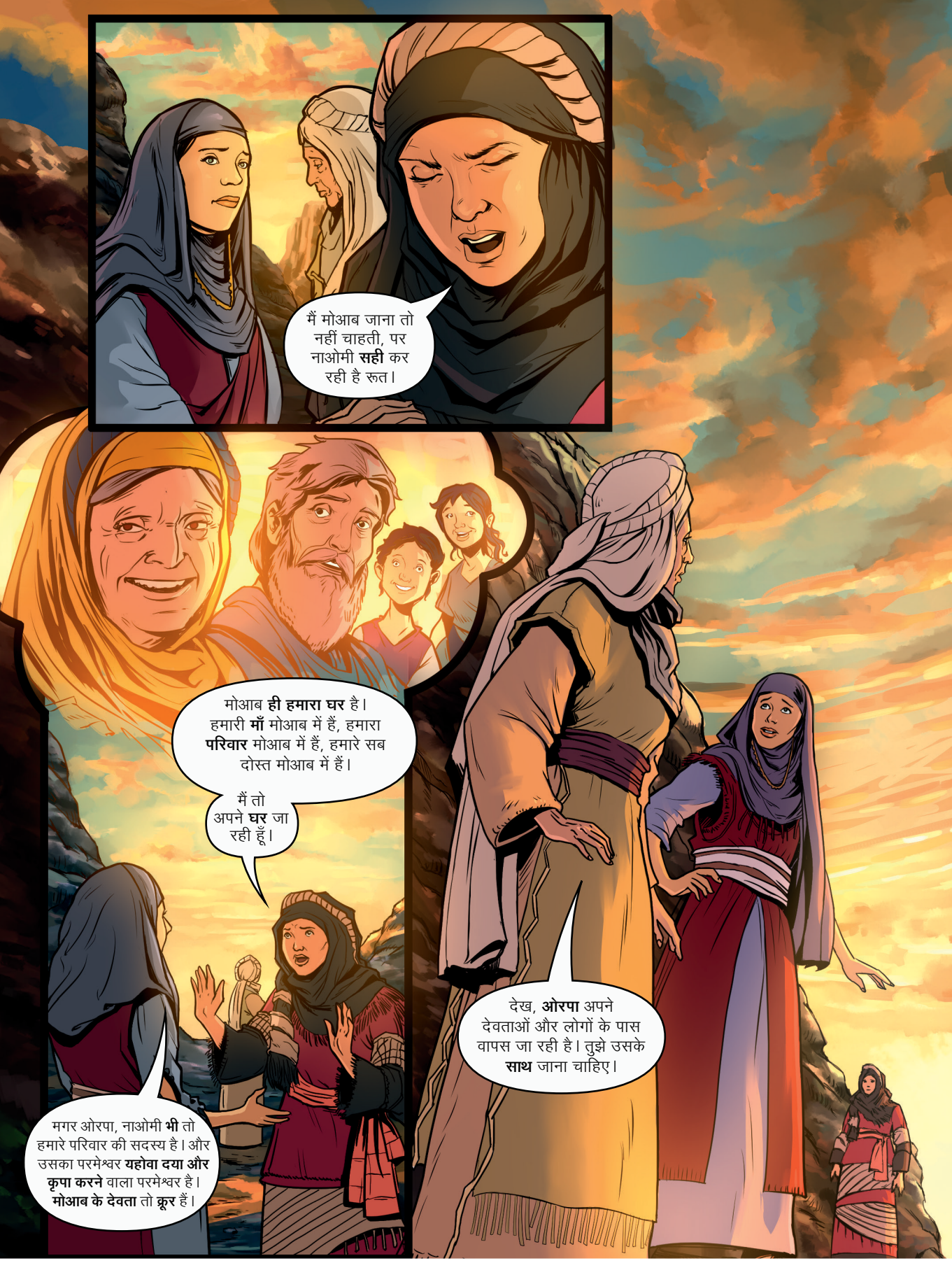

www.jw.org © 2015 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

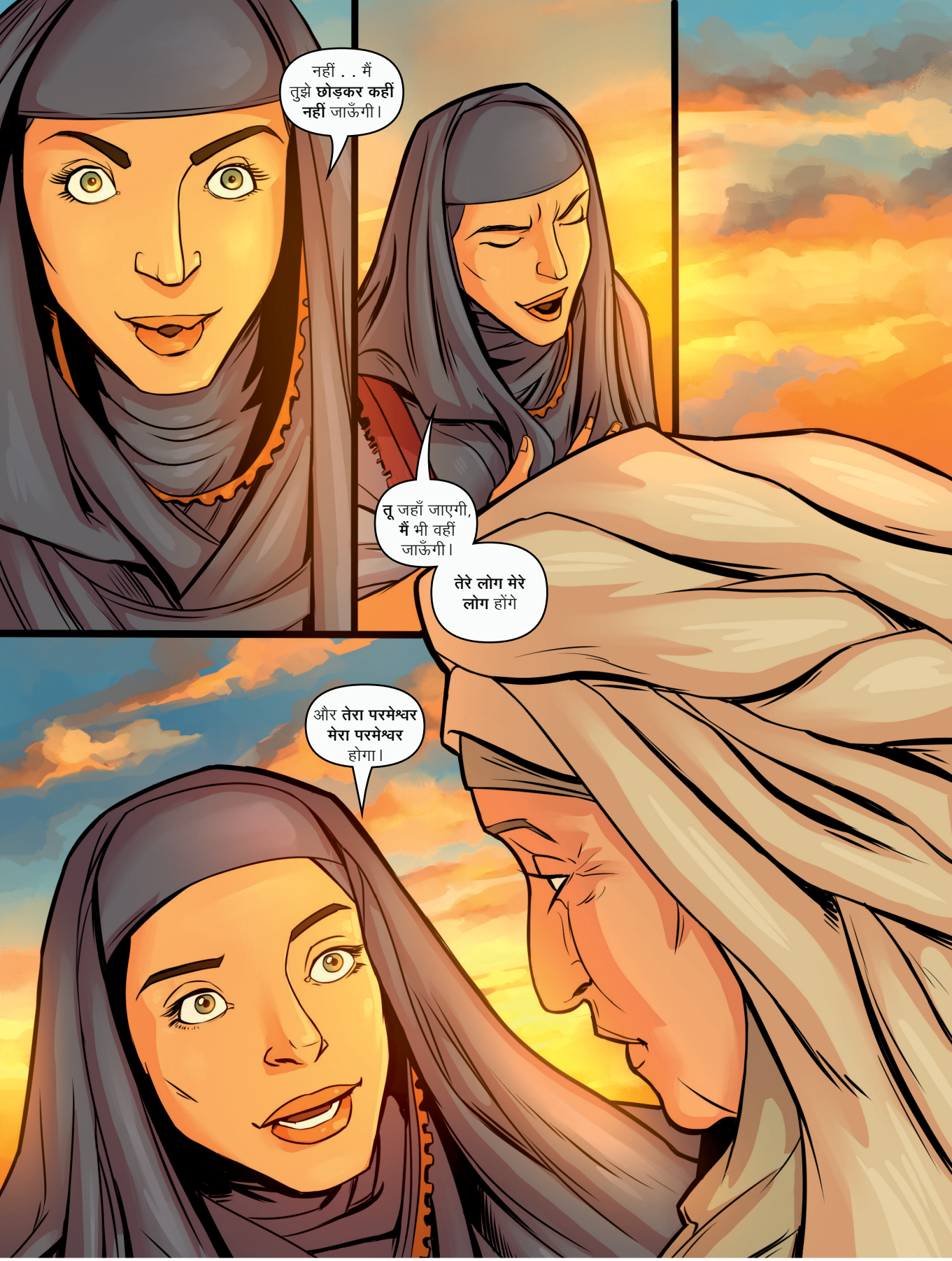

www.jw.org © 2015 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

जब वे इसराएल लौटीं, तो रूत अपने और नाओमी के लिए खाना इकट्ठा करने के लिए **बोअज़** नाम के आदमी के खेत में **जौ बीनने** लगी।

वह औरत कौन है?

वह नाओमी के साथ **मोआब से** आई है। वह सुबह यहाँ आयी थी और तब से अब तक **काम ही कर** रही है।

यहोवा तुझे **आशीष** दे रूत। शहर में सब लोग जानते हैं कि तू **भली औरत** है।

बोअज़ ने रूत से **शादी** की और उन्हें एक **बेटा** हुआ जिसका नाम उन्होंने ओबेद रखा। ओबेद का पोता एक मशहूर राजा बना। क्या आप जानते हैं कि वह कौन है? (रूत 4:22 पढ़िए)

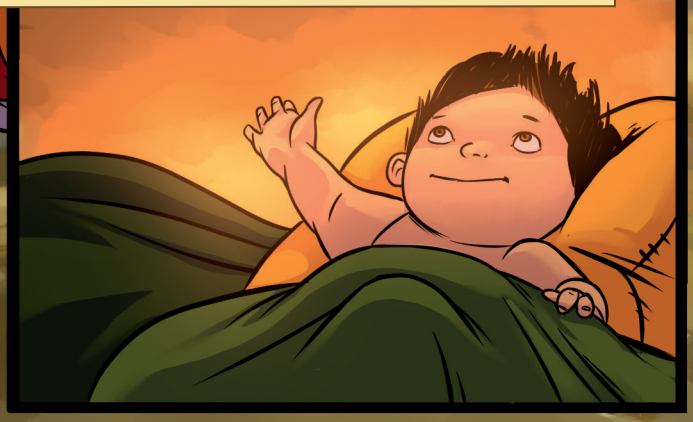

हम इस कहानी से क्या सीखते हैं?

हम क्यों कह सकते हैं कि नाओमी के लिए **रूत** का प्यार अटल था?

सुराग: रूत 1:14, 16, 17; 2:11, 12.

यहोवा ने रूत और नाओमी से कैसे अटल प्यार किया?

सुराग: रूत 4:13-15.

आप अपने दोस्तों से अटल प्यार कैसे कर सकते हैं?

सुराग: नीतिवचन 17:17; 18:24.

www.jw.org © 2015 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania